

पोल स्त्री. (देश.) ढेर, ध्रुव (भौगोलिक) गज की माप लकड़ी (साढ़े पाँच गज का पैमाना), लोहा या अन्य धातु निर्मित स्तम्भ (खंभा), किसी स्थान की खाली जगह, सारहीनता लाक्ष. जो ऊपर से प्रभावी लगे किंतु वास्तव में सारहीन या खोखला हो पुं. (अं.) खंभा, स्तम्भ, बाढ़ का लंबा डग।

पोलिया स्त्री. (देश.) स्त्रियों का पैरों में पहनने का एक आभूषण, घुंघरू, पोरिया।

पोलियो पुं. (अं.) एक वायरस जन्य रोग जो बालकों को प्रभावित करता है तथा समुचित रोकथाम के अभाव में स्थायी अपंगता उत्पन्न कर देता है, पोलियो का प्रभाव रोगी के हाथ-पैरों पर परिलक्षित होता है, मूलतः मस्तिष्क की कोशिकाओं तथा मेरुदंड के स्नायु तंत्र के प्रभावित होने से यह अपंगता आती है polio

पोली स्त्री.वि. (देश.) 1. जो अन्दर से रिक्त हो 2. निस्सार 3. जिसका अंदरूनी हिस्सा मुलायम या पुलपुला हो।

पोलो पुं. (अं.) 1. हॉकी की तरह का एक परंपरागत प्राचीन खेल, जिसमें प्रत्येक दल में 3 या 4 सदस्य होते हैं, प्रत्येक सदस्य घोड़े पर सवार होता है तथा एक लंबी लचीली छड़ी द्वारा लकड़ी की गेंद को गोल पोष्ट में धकेलने का प्रयत्न करता है 2. पोली की तरह के अन्य खेल जिसमें घोड़े के स्थान पर हाथी, साइकिल आदि का प्रयोग होता है 3. वाटर पोलो जो पानी में खेला जाता है polo

पोश पुं. (फा.) 1. छिपाने वाला, ढँकने वाला जैसे-मेजपोश 2. पहनने की चीज, कपड़ा।

पोशाक स्त्री. (फा.) लिवास, वेशभूषा पहनने के वस्त्र, परिधान, वर्दी परिच्छद वसन, वस्त्र।

पोशिश स्त्री. (फा.) 1. पहनावा, वेशभूषा, वस्त्र, लिवास 2. छिपाने या ढँकने का साधन।

पोशीदगी स्त्री. (फा.) 1. छिपाने योग्य, पहिरावे योग्य 2. छिपाव, रहस्य।

पोशीदा वि. (फा. पोशीदः) 1. पहनाया गया (कपड़ा), छिपाया गया, रहस्यमय 2. कपड़े पहने हुए क्रि.वि. गोपनीयतापूर्वक।

पोष पुं. (तत्.) 1. पालन क्रिया, पुष्टि, 2. तुष्टि 3. विकास, समृद्धि।

पोषक वि. (तत्.) पोषण करने वाला (तत्त्व, विटामिन) या वृद्धि में सहायता करने वाली (वस्तु)।

पोषण पुं. (तत्.) पोसने या पालने की क्रिया या भाव 2. सहायक।

पोषणज पुं. (सं.) पोषण क्रिया से प्राप्त तत्व (विटामिन)।

पोषण विज्ञानी वि. (तत्.) पोषण क्रिया एवं पोषक तत्वों के विषय में जिसे पूर्ण जानकारी हो।

पोषध पुं. (तत्.) उपवास या व्रत करने का दिन।

पोषना सं.क्रि. (सं. पोषण) पालना पोसना।

पोषयिता वि. (तत्.) पोषण करने वाला, पुष्ट करने वाला, देखभाल करने वाला पोषक।

पोषवाह पुं. (तत्.) वृक्षों के तने में स्थित वे तंतु जो जड़ों द्वारा खींचे गए पोषक तत्वों का संरक्षण तथा वृक्ष के प्रत्येक भाग तक प्रेषण का कार्य करते हैं।

पोषिका स्त्री. (तत्.) गले के नीचे की नली जिससे होकर भोजन पेट में जाता है तथा आँतों में मिल जाता है, आहार नलिका।

पोषित वि. (तत्.) पालित, जिसका पोषण किया गया हो, वर्धित।

पोषी वि. (तत्.) 1. पोषण करने वाला, वृद्धि करने वाला 2. कृषि. फसल की वृद्धि में सहायक (उर्वरक आदि)।

पोष्य वि. (तत्.) 1. पोषण के योग्य, पालन के योग्य, जिसका पोषण करना आवश्यक होता है 2. पोषण के योग्य होने के कारण पोषित पोष्य पुत्र, पोष्य पुत्री (जिस शिशु को अल्पावस्था में ही गोद लेकर पालन पोषण किया गया किन्तु दत्तक पुत्र/दत्तक पुत्री की श्रेणी का स्थान न